विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

क्या कम वोटिंग का अर्थ लोकतंत्र में विश्वास की कमी है?

प्रश्न गम्भीर है और इसका उत्तर जटिल। साधारणत: यह कहा जा सकता है कि कम वोटिंग के अनेक कारण हैं। चुनावों में मतदान की प्रक्रिया को उसके पेटर्न को समझना भी एक कला है। मतदान संवैधानिक अधिकार है। यह आवाज प्रारम्भ ही से सुनी जा रही है कि मतदान करना अनिवार्य होना चाहिये। सन 1951-52 से प्रारम्भ होने वाले चुनावों से लेकर अभी तक यह स्पष्ट रूप से समझा जा रहा है कि चुनावों में समय ज्यादा भागीदारी गरीबों की, साधारण व्यक्तियों की है, बड़े लोग, बडे अधिकारी मतदान में भाग बहुत कम लेते हैं।

वर्तमान चुनाव में यह नारा बहुत प्रचलित है, अबकी बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार। मोदी के विरोध में विपक्ष एकजुट होने का प्रयत्न कर रहा है, किन्तु सफलता उसकी पहुँच से दूर है। विपक्षी संगठन को INDIA नाम दिया गया है। वस्तुत: पूरा नाम बहुत बडा है, किन्तु INDIA का सही अर्थ क्या है किसी ने समझा नहीं है। हमारे देश का नाम भारत है। जैनियों के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव के पुत्र के नाम भरत पर देश को भारत नाम दिया गया। वेदों में ऋषभदेव के नाम का वर्णन है। अंग्रेजों ने भारत को अपना एक उपनिवेश बनाया और इसे INDIA नाम दिया। ऑक्सफोर्ड के शब्दकोष में INDIA के नाम का अर्थ है, वह जनजाति (ट्राइव) जो अशिक्षित है, लूटपाट में लिप्त है।

चुनावों में भाग लेने वाले लोग कई श्रेणियों में वर्गीकृत किये जा सकते हैं। प्रथव चुनाव के समय सबसे बडी पार्टी कांग्रेस थी। विपक्ष कई दलों में बंटा हुआ रहा है। वर्तमान में संसद की सबसे बडी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है। भाजपा का राज है। कांग्रेस विपक्ष की बड़ी पार्टी है। यह कहा जा रहा है कि भारत की संसद में कभी 400 सांसद कांग्रेस के थे; किन्तु आज 300 सांसद चुनावों में खड़े होने वाले उम्मीदवार भी उसे नहीं मिल रहे हैं, जिन पर वह विश्वास कर सके। गठबंधन के लोग ही आपस में लड रहे हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 सात चरणों में हो रहे हैं। प्रथम चरण के चुनाव 19 अप्रैल 2024 को हो चुके हैं। अन्तिम चरण 7 के चुनाव 01 जून 2024 को होंगे।

पहले चरण के 102 सांसदों के क्षेत्र के चुनावों में मतदान हो चुका है।

भारत में मतदान का पेटर्न उलझे हुये प्रश्न के उत्तर जैसा है। प्रारम्भ में चुनाव का पेटर्न कांग्रेस बनाम अन्य पार्टियां थीं। वर्तमान में अब यह पेटर्न भाजपा बनाम शेष अन्य पार्टियां हैं। नये भारत का जन्म राजनीति के आंगन में हुआ। जहां गणतंत्र है वहां एक दूसरे के विरूद्ध विचारधारा की पार्टी होंगी ही। जिस पार्टी की सरकार है उसके कार्यकर्ता के हित रखने वाले व्यक्ति कमिटेड मतदाता होते हैं। यह माना जाता है, ऐसे लोगों ने पार्टी के पक्ष में मतदान किया ही होगा।

प्रत्येक व्यक्ति अपेक्षा करता है कि उसके देश की सरकार, विकास के प्रति कर्त्तव्य निष्ठ रहे। अत: नये मतदाता, पार्टी इन पावर का साथ देते हैं। कुछ मतदाता समय की बयार के साथ चलते हैं। देश की महिलाओं का मत भी विकास के साथ रहता है। अनुच्छेद 370 की समाप्ति, तीन तलाक से मुक्ति ने मुस्लिम महिलाओं को मतदान के लिये प्रेरित किया है और राम मंदिर ने हिन्दू महिलाओं को मतदान की कीमत समझी है।

सन् 2024 का यह चुनाव मोदी के सबल नेतृत्व में एनडीए संग भाजपा तथा कांग्रेस संग इण्डिया के मध्य लड़ा जा रहा है। एक ओर विश्व के नेताओं के नेता पीएम मोदी ने चुनाव की बागडोर संभाल रखी है तो दूसरी ओर बिखरा हुआ ??? संग राहुल की कांग्रेस के बीच लडा जा रहा है। एक ओर देश को तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने का है तो दूसरी ओर लड़खड़ाते हुये नेतृत्व विहीन पार्टी चुनाव के मैदान में है। भारत की चारों दिशाओं में अब की बार मोदी सरकार व 400 पार के नारे बुलन्द आवाज में सुनाई दे रहे हैं तो दूसरी ओर विपक्ष को 300 सीटों पर लड़ने वाले उम्मीदवार भी नहीं मिल पा रहे हैं। बनावटी पोल के नतीजे भी चुनाव के रिजल्ट 370 के आस पास दिखा रहे हैं।

दिनांक 19.04.2024 को प्रथम चरण के चुनाव पूरे हुये और देर रात तक यह समाचार मिला कि औसत मतदान कम हुआ है। राजनैतिक गलियारों में कुछ देर के लिये सन्नाटा छा गया। विचारों का द्वन्द प्रारम्भ हो गया। दिनांक 19.04.2024 के बाद चुनाव आयोग का चुनावों का विस्तार से विशलेषण मिला। यदि हम राजस्थान की 12 संसद की सीटों के बूथ वाईज मतदान को देखेंगे तो ज्ञात होगा कि 24370 मतदान केन्द्रों में से 12001 केन्द्रों पर पूर्व चुनाव के औसत 58.28 प्रतिशत से कम वोट पड़े हैं। 5717 बूथों पर तो 50 फीसदी से कम मतदान हुआ है। विशलेषण के आंकडे यह भी कह रहे हैं कि कुछ बूथों पर 90 प्रतिशत मतदान हुआ है और कुछ पर मतदान 10 प्रतिशत ही हुआ है। कुछ जगह मतदाताओं ने चुनाव का बहिष्कार किया है। राजस्थान की तरह ही अन्य राज्यों में भी मतदान में कमी आंकी गई है। 21 राज्यों में से 19 में मतदान में कमी आई है। राजस्थान में 2019 में मतदान 63.7 प्रतिशत था इसके विरूद्ध 2024 में औसत मतदान 57.6 प्रतिशत है। लक्षद्वीप में 2019 में 85.1 प्रतिशत था और 2024 में मामूली सी कमी आंकी गई है, वहां औसत 2024 में 84.1 प्रतिशत आया है। उत्तराखण्ड में 2019 में 61.5 प्रतिशत तो 2024 में 57.2 प्रतिशत पाया गया है। आन्ध्रप्रदेश, तामिलनाडु, महाराष्ट्र में मतदान में काफी कम है। इलेक्शन कमीशन इस कमी पर निकाह लगाये हुये है और इसे बूस्ट करने की योजना दूसरे चरण में करने जा रहा है। आज 26.4.2024 है, यानी दूसरे चरण का मतदान है। ऐसा मालूम हुआ है कि मतदान के समय मुख्य बाजार बंद रहेंगे।

> **भारत में मतदान का पेटर्न उलझे हुये प्रश्न के उत्तर जैसा है। प्रारम्भ में चुनाव का पेटर्न कांग्रेस बनाम अन्य पार्टियां थीं। वर्तमान में अब यह पेटर्न भाजपा बनाम शेष अन्य पार्टियां हैं। नये भारत का जन्म राजनीति के आंगन में हुआ। जहां गणतंत्र है वहां एक दूसरे के विरूद्ध विचारधारा की पार्टी होंगी ही।**

कम वोटिंग के कई कारण हैं। अलग-अलग प्रदेशों में भी ये कारण भिन्न हो सकते हैं, किन्तु इस सच को स्वीकार नहीं किया जा सकता कि कम मतदान का अर्थ है, मतदाता का लोकतंत्र में विश्वास कम होना है।

पहले चरण में यह भी देखने में आया है कि जहां भाजपा का असर है वहां मतदान कम हुआ है किन्तु जहां भाजपा का प्रभाव नगण्य है वहां मतदान बम्पर भी हुआ है।

प्रथम चरण में मतदान की कमी का कारण कुछ चुनाव विशेषज्ञ यह मानते हैं कि भाजपा यह मान बैठी थी कि उनकी जीत सुनिश्चित है, और कांग्रेस के कार्यकर्ता हार के भय से निराश हो गये थे। हार निश्चित है, फिर मतदान कराने का नाटक क्यों किया जावे? मतदान के समय कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं को घर से बूथ तक लाने का प्रयत्न नहीं के बराबर किया जबकि भाजपा कार्यकर्ता भी एक सीमा तक आशावान होने से पूर्ण सजग नहीं रहे।

एक चुनाव विशेषज्ञ का विचार लेखक को सारगर्भित लगा। उनका कहना था कि कांग्रेस अपनी सन्तानों को सैट करना चाहती है, वहीं मोदी सभी लोगों की सेवा में खड़ा है।

चुनावों में एक बात मूल रूप से देखी जा रही है कि पैसे वाले व बुद्धि वाले मत देने बूथ तक नहीं जाते। मतदान में झुग्गी-झौंपडी के मतदाताओं की संख्या अधिक रहती है। अत: मतदान अनिवार्य Compulsory होना चाहिये। प्रत्येक मतदाता का कर्त्तव्य है कि वह मतदान धर्म व कर्म समझकर करें।

पहले चरण के चुनाव में यह देखा गया है सभी पार्टियां भीतरी घात से प्रभावित है। एक व्यक्ति वर्षों तक अपनी पार्टी के नेताओं की सेवा करता रहा और जब उसका हक परिपक्व हुआ तो दूसरी पार्टी के व्यक्ति को जो पार्टी छोड़कर आया है उसे टिकिट दे दिया जाता है। इन परिस्थितियों में भीतरी घात का होना स्वाभाविक ही माना जाना चाहिये। जब तक कोई व्यक्ति लगातार 5 वर्षों तक एक राजनैतिक पार्टी का सदस्य नहीं रहता उसे पार्टी चुनाव के हेतु टिकिट न दिया जावे। **'आया राम गया राम'** का सिद्धान्त नैतिक नहीं है।

मतदान का अधिकार संवैधानिक अधिकार है अत: न तो यह बेचा जा सकता है न खरीदा ही जा सकता है। संविधान के अनुसार मतदाता और चुनाव में खड़ा होने वाला वही व्यक्ति होना चाहिये जो संविधान के अनुच्छेद 51क के तहत् अपने मूल कर्त्तव्यों की पालना कर रहा हो। देश की संसद का समस्त कार्य संविधान के अनुसार होना चाहिये, अत: आवश्यक है वह संविधान की जानकारी रखने वाला हो। वह कानून बनाता है, अतएव वह पढ़ा-लिखा होना चाहिये। यह सुझाव कई बार दिया जा चुका है कि सांसद/विधायक बनने के लिये ग्रेजूयेट होना कानून में आवश्यक किया जावे। जो व्यक्ति अनुच्छेद 51क के कर्त्तव्यों की पालना करने में बार-बार चूक कर रहा हो उसे चुनाव में खड़ा होने के योग्य नहीं माना जावे।

हमारा चुनाव का कानून The Representation of People Act, 1951 बहुत पुराना हो चुका है। समय के साथ वह पिछड़ चुका है। उसमें बहुत सुधारों की आवश्यकता है। अत: सम्पूर्ण रूप से नया कानून लाना आवश्यक हो गया है। नया कानून शीघ्र से शीघ्र लाया जावे। संविधान में भी इस हेतु आवश्यक संशोधन हों। चुनावों में राजनीतिक पार्टियों को चंदा कहां से और कैसे प्राप्त हो यह पारदर्शी होना चाहिये। उम्मीदवार अधिक से अधिक कितना खर्चा चुनाव पर खर्च कर सकता है, इसकी सीमा निर्धारित होनी चाहिये और पालना आवश्यक हो। देश में संसद व विधान सभा, नगरपालिका अथवा पंचायत के चुनाव एक साथ हो, विकासशील देश के लिये एक देश एक चुनाव आवश्यक है। सन् 1952 से प्रारम्भ होने वाले चुनावों का स्तर धीरे-धीरे गिरता जा रहा है। नेताओं की जबान विषैली हो गई है यह सच है संविधान ने हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है, किन्तु जिस भाषा का हम चुनावों में प्रयोग कर रहे हैं वह उस देश की भाषा नहीं हो सकती, जिस देश में गंगा बहती है।

प्रश्न लेख में यही उठाया गया था कि प्रथम चरण के चुनाव में मतदान औसत से कम क्यों हुआ? इसका सीधा, सरल व उचित उत्तर है भारतीय जनता पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं का जीत के प्रति अति उत्साहित होना कि हमारी जीत तो निश्चित है। कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं में निराशा की भावना व्याप्त होना कि वे तो हारेंगे ही फिर मेहनत क्यों की जावे? परिणाम यह हुआ कि मतदाता जिस संख्या में मतदान करते वे पोलिंग बूथ तक पहुंच ही नहीं सके। मतदान कम हुआ। मतदान में कमी लोकतंत्र में विश्वास की कमी को प्रदर्शित नहीं करता। मतदान का सिद्धान्त है कि सत्ता बरकरार रहने के माहौल के कारण मतदान में कमी आती है और बदलाव के लिये ज्यादा मतदान होता है।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

पक्षीघर बनाने वाले-नेमीचंद चौपड़ा

पक्षियों के लिए आवास और दाना-पानी जुटाने की पहल

डॉ. अरुणा व्यास

यह समय पक्षियों के लिए संकट का है। खासकर से गौरेया के लिए। तेजी से बदलते शहर और वहां बनने वाले आवास अब घरेलू गौरैया के लिए उपयुक्त नहीं रह गए हैं। गौरैया मानव के लिए बेहद लाभकारी है। पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने और घातक कीटों को खाकर अपना जीवन यापन करने वाले इस पक्षी के नहीं रहने का अर्थ है, मानव सभ्यता पर ही संकट। असल में अब जो घर बन रहे हैं, वह इस तरह से बन रहे हैं कि वहां गौरैया के घोंसले के लिए जगह नहीं होती। माइक्रोवेव टावरों और कीटनाशकों के कारण होने वाले प्रदूषण से घरेलू गौरैया की पूरी की पूरी प्रजाति संकट में है। गौरैया ही क्यों दूसरे पक्षी भी अब बहुत कम दिखने को मिलते हैं। सोचिए, ऐसा ही यदि होता रहा तो आने वाले समय में पक्षियों के बगैर ही हमें रहना होगा और इसका अर्थ है, स्वयं हमारे ही अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह!

हमारी संस्कृति में कहा गया है पक्षियों को दाना-पानी देने से भविष्य के अनिष्ट से स्वयमेव छुटकारा मिल जाता है। यह भी कि हजार मनुष्यों के बजाए हजार मूक जीवों को भोजन कराना अधिक पुण्य का कार्य है। यह समय भीषण गर्मी का है, गौरैया और दूसरे पक्षियों के लिए दाना-पानी की बड़ी समस्या इस समय रहती है। इस दृष्टि से पाली में बहुत महती काम किया है, समाजसेवी नेमीचंद चौपड़ा ने। नेमीचंद चौपड़ा मूलत: व्यवसायी हैं परन्तु पिछले एक दशक से पक्षियों को बचाने की मुहिम में लगे हैं। उनकी इस मुहिम का आधार है, पक्षियों के लिए घर बनाकर उन्हें बसाना। आरंभ में गौरैया को बचाने के लिए उन्होंने ऐसा किया पर अब वह जो घर पक्षियों के लिए बनाते हैं, उनमें सब-तरह के पक्षी, कबूतर अपना आवास करते हैं और वहीं दाना-पानी की उनकी पूर्ति भी हो जाती है। नेमीचंद चौपड़ा ने पाली में विशेष रूप से पक्षी-घर बनाए हैं। आमतौर पर पक्षियों के लिए पेड़ ही बसेरा होता है। गौरैया के लिए लोगों के घर भी बसेरा होते हैं परन्तु बदलती जीवन शैली में गौरेया को घर कौन दे? कौन उसे अपने यहां घोंसला बनाने दे? इसलिए उनके यह घर भी अब दूर की सोच हो गए हैं। और फिर जैसे-जैसे कंक्रीट के जंगल में यह सारा संसार तब्दील होता जा रहा है, पक्षियों और जानवरों के लिए रहने के ठिकाने छीनते जा रहे हैं।

पक्षी कहां जाए? कैसे उनको भोजन मिले? कैसे वे श्वान और दूसरे जानवरों के शिकार होने से बचे रहें? इन्ही प्रश्नों से जूझते भामाशाह नेमीचंद चोपड़ा ने पक्षियों के लिए घर बनाने के विचार को मूर्त रूप दिया। पक्षी प्राय: तिनका-तिनका एकत्र किए अपने घोषलों में ही रहना पसंद करते हैं, पर शहरों में इमारतों के फैलते जंगल में तिनके कहां से आए? इसी सोच से नेमीचंद चौपड़ा ने पक्षियों के रहने के लिए ही बहुमंजिला आवास की पहल की। इसके लिए बाकायदा पक्षियों के लिए मौसम की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए घोंसला रूपी निर्माण कार्य आरंभ किया गया। पाली में

पक्षियों के लिए बहुत सुंदर घर बने हैं। बहुमंजिला इमारतों में मनुष्य नीं पक्षी अपनी मर्जी से रहते हैं। पाली जाएंगे तो आपको नेमीचंद चौपड़ा के बनाए पक्षियों के लिए अनूठे ठिकाने देखने को मिलेंगे। यहां पक्षी घोंसलों के बजाय हमारी ही तरह फ्लैट में रहते हैं, वो भी हजारों की तादाद में। इन मूक परिंदों के लिए ऐसे फ्लैट बनवाए गए हैं, जिनमें गर्मी के तेज ताप भी बेअसर है। बाकायदा इसके लिए गुजरात के कारीगरों को बुलाकार कार्य किया गया। गुजरात की मोरबी टाइल्स से इनका निर्माण किया गया है। यह गर्मी में ठंडी और सर्दी में गर्म रहती है। माने वातानुकूल हैं। नेमीचंद चौपड़ा बताते हैं, इसके लिए गुजरात गया था। वहां देखा 12 फूट का पक्षीघर किसी ने बनाया था। मैंने यह जो पाली में बनाया है वह 72 फूट का है। यहां तूफान आया पर कुछ नहीं हुआ। इस पक्षीघर में करीब 3000 पक्षियों के घोंसले हैं, जो देखने में भी काफी सुंदर लगते है। नेमीचंद चौपड़ा ने पाली ही नहीं, जिले के दूसरे गांव-कस्बों में भी ऐसे ही फ्लैट पक्षियों के लिए बनवाए हैं। उद्देश्य यही है कि पक्षी सुकून से वहां रह सके। पाली शहर के तीन ओर से पानी से घिरे लाखोटिया उद्यान में उन्होंने आरंभ में ऐसे ही दो पक्षीघर बनाए हैं। शहरवासी यहां उद्यान में घूमने आते हैं और पक्षियों के लिए दाना-पानी डालते हैं। इससे पक्षियों को फ्लैट से बाहर आने तक की जरूरत नहीं होती है। इससे पक्षियों के मरने के आंकड़ों में भी कमी आयी है। पक्षियों के अपने घर है। इसलिए उन्हें श्वान का डर नहीं है। इतनी ऊंचाई पर है कि वहां श्वान पहुंच नहीं सकते। बरसात व अंधड़ के समय भी पक्षी सुरक्षित रहते हैं। नेमीचंद चौपड़ा ने पाली के साथ ही सोजतरोड, निमाज और जैतारण सहित अन्य इलाकों में भी पक्षियों के लिए ऐसे ही पक्के पक्षीघर बनवाए हैं। नेमीचंद उदार व्यवसायी हैं। पक्षीघर के बाद अब शहर में तोता घर का निर्माण करवाने का भी उनका विचार है। वह कहते हैं, तोतों के लिए अलग से पक्के घर का निर्माण करवाया जाएगा। इनकी रूपरेखा तैयार कर ली गई है। पाली हाइवे पर नेमीचंद चौपड़ा ने प्रख्यात संत रूप मुनि जी की स्मृति में भव्य जैन मंदिर और साधु-संतों के समागम के लिए विश्राम गृह का निर्माण भी किया है। वह चाहते हैं, श्रमण संस्कृति के आलोक में जैन धर्म से जुड़े इतिहास और संस्कृति का एक विशाल पुस्तकालय भी रूप-मुनि की स्मृति में स्थापित करें। इसके लिए भी उन्होंने सुनियोजित कार्य योजना के तहत पहल की है। उद्देश्य यही है कि इस पुस्तकालय के साथ जैन धर्म से जुड़ी भारतीय संस्कृति के मौलिक शोध और अनुसंधान को गति दी जा सके।

डॉ. अरुणा व्यास,
पत्रकार एवं लोक-संस्कृति मर्मज्ञ

कोटा स्टेशन के खानपान स्टॉलों का औचक निरीक्षण किया

■ **यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया**

कोटा, (निसं)। खानपान सेवाओं में सुधार लाने तथा स्टेशन परिसर की साफ-सफाई बेहतर बनाने के उद्देश्य से 24 अप्रैल शाम को मंडल वाणिज्य प्रबन्धक किशोर कुमार पटेल द्वारा कोटा स्टेशन का निरीक्षण कर यात्रियों के लिए खान-पान स्टॉलों पर बेची जा रही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता एवं स्टॉल के आस-पास साफ सफाई की जांच की गई।

डीसीएम किशोर पटेल ने निरीक्षण के दौरान कोटा स्टेशन पर संचालित खानपान स्टालों को चेक किया गया साथ ही कोटा से प्रारम्भ होने वाली गाड़ी संख्या 13240 कोटा-पटना एक्सप्रेस पायी गई खराब खाद्य सामाग्रियों को नष्ट कराया।

इसके अतिरिक्त गाड़ी संख्या 22997 झालावाड़ सिटी-श्री गंगानगर एवं गाड़ी संख्या 12956 जयपुर-मुम्बई सुपरफास्ट में प्रदत्त यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। कोटा-पटना एक्सप्रेस के पेंट्रीकार में दो अनाधिकृत व्यक्तियों पर 2,095 रूपए का जुर्माना अधिरोपित किया गया। निरीक्षण के दौरान मंडल खानपान निरीक्षक, मंडल वाणिज्य निरीक्षक, मुख्य टिकट परीक्षक एवं अन्य वाणिज्य पर्यवेक्षक मौजूद रहे।

पेड़ों पर परिण्डे बांधे

कोटा, (निसं)। आर्य समाज द्वारा पक्षियों के लिऐं गोबरिया बावड़ी से घटोत्कच रोड़ हरितिमा पट्टी पर परिण्डे बांधे गए। आर्य उप-प्रतिनिधि सभा कोटा संभाग के प्रधान अर्जुन देव चढ्डा के दिशानिर्देशन व सानिध्य मे निरंतर सेवा-परोपकार के कार्य किए जा रहे हैं। मूक पक्षियों के लिए पेड़ों पर मिट्टी के परिण्डे में नित्य पानी भरने का संकल्प लिया।

आर्य समाज ने दिहाड़ी मजदूरों को चप्पलें पहनाई

■ **आर्य समाज कोटा द्वारा भीषण गर्मी में सेवा के कार्य जारी**

कोटा, (निसं)। आर्य उप प्रतिनिधि सभा कोटा संभाग के महामंत्री अरविन्द पाण्डेय ने बताया कि आर्य समाज कोटा के द्वारा तपती हुई दोपहरी मे दिहाड़ी मजदूरों को चप्पलें पहनाई। नई चप्पलें पाकर दिहाड़ी मजदूरों के चेहरे खिल गए और वे बहुत खुश हुए।

सभा के मंत्री लालचन्द आर्य ने बताया कि आर्य समाज मानव सेवा को ईश्वरीय कार्य मानता है। मजदूर ही इस धरती को सुन्दर रूप देने का कार्य करते हैं। आर्य उप प्रतिनिधि सभा के प्रधान अर्जुन देव चढ्डा ने बताया कि गोबरिया बावड़ी सर्किल मजदूर मण्डी पर दिहाड़ी मजदूरी करने वाले जरूरतमंद मजदूरों को सेवा कार्य के माध्यम से उनकी सहायता की। इस अवसर पर प्रधान अर्जुन देव चढ्डा, सभा के कोषाध्यक्ष राधावल्लभ राठौर, युवा मंत्री किशन आर्य हरियाणा, आर्य पुरोहित भेरूलाल शर्मा, आर्य पुरोहित श्योराज वशिष्ठ, राजेन्द्र आर्य मुनि, संगीता आर्य, कमलेश आर्य, आशा यादव, आदि ने मजदूरों को चप्पलें पहनाई।

जेईई-मेन में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट का नीलकृष्ण आल इंडिया टॉपर

■ **ऑल इंडिया टॉपर के साथ एलन से रैंक-2 पर दक्षेश संजय मिश्रा और रैंक-4 पर आदित्य कुमार रहा**

■ **एलन से टॉप-5 में 3 क्लासरूम स्टूडेंट्स**

कोटा, (निसं)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से जेईई-मेन 2024 के परिणाम बुधवार रात को जारी कर दिए गए। परिणामों में एक बार फिर एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स ने श्रेष्ठता साबित की है। देर रात तक देखे गए परिणामों में एलन स्टूडेंट ने ऑल इंडिया टॉप किया है, इसके साथ ही टॉप-5 में एलन के 3 स्टूडेंट्स ने स्थान प्राप्त किया।

एलन के निदेशक डॉ.बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि एलन के दो वर्ष से क्लासरूम स्टूडेंट नीलकृष्ण ने ऑल इंडिया टॉप किया है। वहीं रैंक-2 पर भी एलन के क्लासरूम स्टूडेंट दक्षेस संजय मिश्रा व रैंक-4 पर भी एलन के क्लासरूम स्टूडेंट आदित्य कुमार रहे हैं। जेईई के रिजल्ट्स में एलन ने सफलता के क्रम को बरकरार रखते हुए बेहतर परिणाम दिए हैं। 100 पर्सेंटाइल ने 56 स्टूडेंट्स शामिल हुए हैं। शुरुआती परिणामों में टॉप-5 स्टूडेंट्स शामिल हैं। परीक्षा में 14 लाख 76 हजार 557 ने रजिस्ट्रेशन करवाया, इसमें से 14 लाख 15 हजार 110 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। यह संख्या जेईई-मेन के इतिहास में अब तक सबसे अधिक है। दोनों सेशन में कुल 10 लाख 67 हजार 959 कॉमन विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। एलन से बड़ी संख्या में टॉप स्टूडेंट्स ने जेईई-एडवांस्ड के लिए क्वालीफाई किया है। इनके रिजल्ट्स देखे जा रहे हैं। एलन के रेगुलर क्लासरूम स्टूडेंट नीलकृष्णा ने जेईई-मेन में आल इंडिया रैंक-01 प्राप्त की है। किसान परिवार के बेटे नील ने इससे पहले जेईई-मेन जनवरी में 100 पर्सेन्टाइल स्कोर एवं परफेक्ट स्कोर 300 में से 300 अंक हासिल किए हैं। नील ने बताया कि बचपन अकोला के नजदीक वाशिन जिले के बेलखेड़ में बीता; यहां कक्षा 4 तक पढ़ने के बाद कक्षा 5 से 10 तक जेसीआई स्कूल कांरजलाड में पढ़ा, फिर 11वीं में एलन में एडमिशन लिया। पिता किसान हैं और परिवार खेती पर निर्भर है। परिवार के सामने आर्थिक चुनौतियां भी रही हैं।

एलन में एडमिशन लिया तो 75 प्रतिशत स्कॉलरशिप मिली, इसी कारण मैं जेईई की तैयारी में आगे बढ़ सका। पापा-मम्मी ने मेरी पढ़ाई जारी रखने के लिए अपनी कई जरूरतें पूरी नहीं की। हमेशा मुझे मोटिवेट भी किया। कई बार टेस्ट में नम्बर कम आते तो मुझे हिम्मत देते और अगले की तैयारी अच्छी करने के लिए समझाते। मुझे फिजिक्स में रिसर्च में जाना है, इसीलिए मैंने जेईई टारगेट किया है। सब्जेक्ट वाईज तैयारी की बात करें तो मैं फिजिक्स क्लास नोट्स को रेफरेंस की तरह लेते हुए पढ़ता हूं। फिजिकल कैमेस्ट्री को भी ऐसे ही पढ़ता हूं। इनआर्गेनिक कैमेस्ट्री को नोट्स रिव्यू करके और आर्गेनिक कैमेस्ट्री नोट्स और प्रोब्लम सॉल्व करके सीखता हूं।

मैथ्स में प्रेक्टिस ज्यादा से ज्यादा होनी चाहिए। एक स्टूडेंट को ज्यादा से ज्यादा जानने की इच्छा रखनी चाहिए और जब तक सवाल का हल समझ नहीं आ जाता तब तक पूछते रहना चाहिए। पूछने में शर्म नहीं करनी चाहिए। रोजाना 10 से 12 घंटे सेल्फ स्टडी करता हूं। अब जेईई एडवांस्ड पर पूरा फोकस है। आईआईटी मुंबई की सीएस ब्रांच से बीटेक करना चाहता हूं। पढ़ाई के साथ-साथ मैं आर्चरी भी खेलता हूं। स्टेट और नेशनल टूर्नामेंट तक खेल चुका हूं। यह खेल मुझे लक्ष्य साधने के लिए एकाग्रता सीखाता है।

साउथ इंडियन फिल्म देखने का शौक है, एग्जाम के बाद या सप्ताह में एक बार फिल्म देखता हूं। पिछले तीन साल से एलन करियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड के रेगुलर क्लासरूम स्टूडेंट दक्षेश मिश्रा ने जेईई मेन परीक्षा में 100 पर्सेंटाइल स्कोर एवं परफेक्ट स्कोर 300 में से 300 अंक हासिल कर ऑल इंडिया रैंक हासिल की है। दक्षेश ने इससे पहले दसवीं कक्षा 98 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है।

उसने बताया कि मैं रोजाना 10 से 12 घंटे सेल्फ स्टडी करता हूं। दक्षेश ने अपना स्टडी प्लान शेयर करते हुए बताया कि मैं पूरी तरह एनसीईआरटी सिलेबस पर फोकस करता हूं। मैथ्स व फीजिक्स के सवालों की प्रैक्टिस करता हूं क्योंकि इससे कॉन्फिडेंस लेवल मजबूत होता हैं। लास्ट टाइम में रिवीजन सबसे महत्वपूर्ण है। फिलहाल जेईई एडवांस्ड पर पूरा फोकस है। आईआईटी मुंबई की सीएस ब्रांच से बीटेक करने का सपना है।

राशिफल शुक्रवार 26 अप्रेल, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, अनुप्रभा नक्षत्र रात्रि 3:40 तक, वारियान योग रात्रि 4:14 तक, गर करण प्रात: 7:47 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से रात्रि 3:40 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 3:40 तक रहेगा। भद्रा रात्रि 8:3 से आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:33 तक, लाभ-अमृत 7:33 से 10:48 तक, शुभ 12:25 से 2:02 तक, चर 5:56 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:56, सूर्यास्त 6:53

मेष
पारिवारिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। आवश्यक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। पारिवारिक/व्यक्तिगत कार्यों के लिए यात्रा संभव है।

मिथुन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में आपसी अनबन हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या
आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। पारिवारिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। मन में असंतोष बना रहेगा।

मकर
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।